Dr. Sangita Kumari Saha
B.A.D - III (H) V^th paper.

Continue...

Uses and Limitations of Statistics

आधुनिक सांख्यिकी का प्रयोग सभी प्रमुख क्षेत्रों में जैसे., मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, शिक्षा, समाजशास्त्र में किया जा रहा है। सांख्यिकी की प्रमुख उपयोगिताएँ निम्नांकित हैं —

(i) सांख्यिकी हमें प्राप्त आँकड़ों के परिणाम का विश्लेषण करने में मदद करता है। सांख्यिकी का प्रयोग करके हम Variables के बीच में एक सार्थक निष्कर्ष निकाल पाते हैं।

(ii) सांख्यिकी द्वारा Calculation में हम Specialization अर्जन करते हैं। सांख्यिकी द्वारा हमें Scientific languages तथा उससे सम्बन्धित Vocabulary को समझने में मदद मिलती है। सांख्यिकी का ज्ञान होने से ऐसी भाषाओं को पढ़कर एक उपयुक्त निष्कर्ष पर हम आसानी से पहुँच जाते हैं। इससे ज्ञान की वृद्धि करने में काफी मदद मिलती है।

Limitation:-

(1) कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि सांख्यिकी नीरस विषय है क्योंकि इसमें हमें आँकड़ों की एक्टिक Conditions के बारे में बताया जाता है। जबतक किसी व्यक्ति का सम्बन्ध उन अवस्थाओं से किसी न किसी रूप में नहीं होता है सांख्यिकी dry करने लगता है।
उदाहरण-स्वरूप- यदि किसी factory में workers के salary में औसत रूप से 30 Rs. की वृद्धि होती है उसे जानकर हमें क्या दिलचस्पी होगी। हाँ यदि हम उस factory के staff होंगे तो हमारे लिए

Scanned with CamScanner

कोई व्यक्ति, कुशल कर्मचारी है तो हमें खुशी होगा या उससे हमें कोई गिरावट नहीं होगी

(2) सांख्यिकी एकत्रहते depersonalization पैदा करता है क्योंकि महत्वपूर्ण विशेष पर ध्यान न देकर पूरे समूह पर ध्यान देते हैं जैसे, यदि कोई व्यक्ति कहता है कि किसी अमुक समूह के व्यक्तियों की औसत ऊँचाई 5'2" है तो वास्तव में उसने हमें किसी विशेष की ऊँचाई का कोई ज्ञान प्राप्त नहीं होता है समूह के किसी भी व्यक्ति की ऊँचाई 5'2" से अधिक भी हो सकती है या कम भी

(3) सांख्यिकी में प्रायः necessary data के अभाव में comparisons की की जाती है जिससे हमें एक misleading index प्राप्त होता है जैसे, यदि एक औद्योगिक रूप में बाहरी कर्मचारी का वेतन ग्रामीण कर्मचारी के वेतन से अधिक होता है, अपने आप में एक कष्टहीन कथन होगा क्योंकि वक्तव्य हम शहर या गाँव दोनों के जीवनयापन खर्च को ध्यान में नहीं रखते हैं, सिर्फ इस तथ्य की सांख्यिकी तुलना के आधार पर हम किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँच सकते हैं

(4) Statistics Methods association (संबंध) के आधार पर प्रायः कारण संबंधी अनुमान लगाया जाता है जो सदैव गलत है। उदाहरण, यह है कि सांख्यिकी विधियाँ दो variables के बीच कारण कार्य संबंध को नहीं दिखलाती हैं।

यह सिर्फ इन Variables के बीच association की मात्रा को बतलाता है उनके बीच के कारण कार्य संबंध को नहीं।

(5) Statistics में Sample के आधार पर population के बारे में जो Generalization किया जाता है वह सर्वथा सही नहीं होता फिर भी प्रायः लोग यही समझते हैं कि उक्त तरह का किया गया सामान्यीकरण हमेशा सही एवं वैज्ञानिक ही होगा।

फिर भी आधुनिक युग में Statistics का महत्व काफी बढ़ गया है। मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षिक शोधों में सांख्यिकी का सर्वाधिक उपयोग Measurement तथा Experiment में होता है।

—